कोटा की भाभी ने बनाया मुझे खोटा

“मेरी मकान मालकिन भाभी मुझे देख कर मुस्कुराती थी, भाभी की गदरायी जवानी को देख कर मैं भी खूब मुठ मारता। आखिर उन भाभी की चुदाई मैंने कैसे की ? …”

Story By: jayant adani (jayantadani)
Posted: शुक्रवार, मार्च 10th, 2017
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: कोटा की भाभी ने बनाया मुझे खोटा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कोटा की भाभी ने बनाया मुझे खोटा

मैं जयंत जोधपुर के एक छोटे से गांव से हूँ। मैं अपनी सच्ची कहानी बताने जा रहा हूँ। वैसे कहानी पढ़ कर आप खुद ही जान लोगे कि मेरी ये घटना कितनी सच्ची है।

मैं एक सीधा-साधा स्टूडेंट हूँ। मेरी शारीरिक स्थिति कितनी आकर्षक ये मुझे तब पता चला जब कुछ लड़कियां बारहवीं कक्षा के दौरान ही मेरी अच्छी मित्र बन गईं।

मैंने 12 वीं कक्षा विज्ञान से पास करने के बाद कोटा का रूख किया। पापा मुझे वहाँ छोड़कर आए उन्होंने मुझसे कहा- बेटा बारहवीं की बात अलग थी.. अब अच्छे से पढ़ना!
मैं कोटा के जवाहर नगर में एक पीजी में कमरा लेकर पढ़ने लगा।

यहाँ मैंने महसूस किया कि मेरे पड़ोसी मकान मालकिन.. जिनके खुद ही घर में भी पीजी से कुछ लड़के रहते थे, वो रोजाना मुझे अच्छी मुस्कराहट दे जाती थीं। वो देखने में बहुत सुन्दर थीं। उनकी चूचियों की साईज 36 इंच थी.. कमर 30 इंच की और उभरी हुई गांड का इलाका 36 इंच का था।

उनकी गदरायी जवानी को देख कर मेरा लंड खूब फूलता, मैं भी खूब मुठ मारता। मेरा लंड काफी मोटा था, कुछ ही दिनों बाद मैं अब मुट्ठी मारने से परेशान हो गया, मुझे अब चूत की जरूरत होने लगी।
अब मैं भी उनमें दिलचस्पी लेने लगा।

मैं छत पर कपड़ों को सुखाने के लिए डालने जाता था, मुझे उनकी एक झलक पाने का इन्तजार रहने लगा। उनकी झलक न मिलने पर शाम को उदास चेहरा लिए बैठ जाता।

एक दिन वो भाभी जी मेरे रूम में आईं, उन्होंने मुझसे मेरा नाम पूछा.. काफी अच्छे से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बात की, मैंने भी सकारात्मक बात की।धीरे धीरे शाम को छत पर उनसे बातें होने लगीं।

एक दिन उन्होंने मुझसे मेरा फोन नम्बर ले लिया और खुद फोन करके मुझसे बात करने लगीं।

ऐसे ही एक दिन भाभी बोलीं- यार क्या करूँ मैं.. ऐसे घर में मेरी शादी क्यों हुई कि दो बच्चों के बाद पतिदेव ने तो मुझे भुला सा दिया है। बस अब ना कोई वक्त देते.. ना इज्जत देते।

उनका दर्द सुनकर मुझे भी धीरे-धीरे तनबदन में आग लगने लगी, मैं सोचने लगा कि कुछ भी हो मुझे भाभी को जल्दी ही खुश करना होगा।

शाम को छत के दौरान भी कहीं ना कहीं अपने बड़े-बड़े उभारों को दिखाकर मेरे लंड को खड़ा कराने की कोशिश करतीं या अपनी चूत में खुजली करतीं।

कुछ ही दिनों में हम बहुत खुल गए थे, मैंने भी उनका विश्वास जीत लिया।
चूंकि मैं गांव का छोरा था.. मेरी बॉडी और आवाज में दम था, भाभी पूरी तरीके से मेरे इंप्रेशन में आ गईं।

अब आखिरकार एक रात भाभी जी ने मुझसे रोते हुए बोला- जयंत आप प्लीज मुझे खुश कर दो ना.. मुझे वो संबल दो जिससे मुझे लगे कि मैं औरत हूँ। मुझे अपने जिस्म की नुमाइश हुए काफी वक्त हो गया है। मेरे वो भी थके हारे आते हैं और सप्ताह में एक आध बार चोद कर मुझे छोड़ देते हैं। मेरी कामनाएं अधूरी सी रह जाती हैं।

मैंने नखरे दिखाते हुए कहा- भाभी, वैसे तो मैं यहाँ मेडिकल की तैयारी करने आया हूँ। मुझे इस तरह की चीजों में दिमाग नहीं लगाना चाहिए। पर हाँ.. आपकी परेशानी को दूर करने के लिए मैं जरूर कुछ करूँगा। मैं गांव और किसान परिवार से हूँ और मैं अपना गठीला

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और भरा हुआ शरीर आपको दे सकता हूँ.. लेकिन सिर्फ इस शर्त पर कि आप मुझे यहाँ कोटा में हर संभव मदद करोगी।

उन्होंने तुरन्त 'हाँ' कर दी।

हम दोनों ने आने वाले दिन में कोचिंग से आकर उनके घर में मिलन का प्रोग्राम बनाया।

अगले दिन मैंने भाभी को फोन करके बोला- मैं आ रहा हूँ।
'आ जाओ मैं तुम्हारा ही इन्तजार कर रही हूँ।'
वो मेरे इंतजार में ही थीं, मेरे गेट में घुसते ही उन्होंने फटाक से बंद करके मुझे खींच लिया।

बड़ी बेसब्री से मेरे होंठों को काटते हुए भाभी बोलीं- यार आपने असली मर्दानगी दिखाने की तो हद की देर कर दी।
मैंने कहा- अब आपके पास हूँ ना!

मैं भी भाभी के होंठों पर ताबड़तोड़ किस करने लगा। भाभी के बोबों को कपड़ों के ऊपर से दबाने लगा.. साथ में भाभी के होंठों पर मेरे होंठों के वार होने लगे। कभी मेरी जीभ भाभी के मुँह में अन्दर जाती.. कभी बाहर होती। कभी मैं भाभी का दांया बोबा मसलता.. तो कभी बांया मसलता। कभी-कभी मैं भाभी के चूतड़ों की दरारों को खोल कर गांड के छेद में ऊपर से ही उंगली करने लगता।

मेरी हरकतों से भाभी बहुत गर्म हो गईं। उन्होंने फटाफट कपड़े खोले.. और मेरे कपड़े खोलने में भी मेरी मदद करते हुए मेरे लंड को पकड़ लिया। मेरा लंड अभी अर्ध-मूर्छित अवस्था में था। भाभी के नाजुक हाथ लंड पर लगते ही लंड फुंफकारने लगा।

मैं फट से उनके एक निप्पल को चूसने लगा.. साथ ही भाभी की चूत के ऊपर टका हुआ क्लाइटोरिस यानि भगनासा को लेबिया माइनोरा यानि चूत के अन्दरूनी होंठ तक मसलने

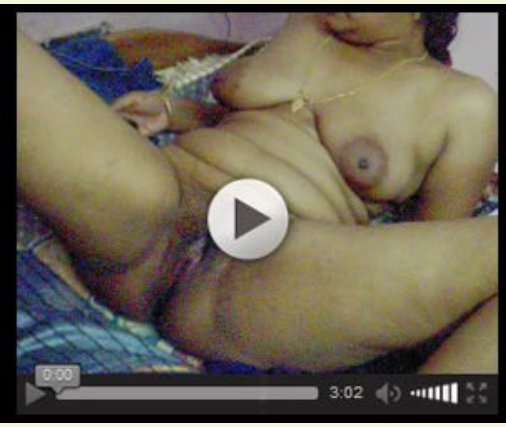

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लगा, लेबिया मेजोरा यानि चूत के बाहरी मोटे होंठ पर थप-थप करने लगा।

वो लंड को सहलाते-सहलाते वहीं बैठकर निहारते हुए कहने लगीं- ऐसे सुहाने दिन तो मेरी सुहागरात के समय में भी नहीं थे। मुझे तो पता ही नहीं था कि गांव के छोरों का इतना बड़ा लंड होता है।
मैंने भाभी से कहा- हम लोग असली भैंस का दूध पीते हैं।

मैं भाभी को उठाकर सोफे पर लाया और मैंने उन्हें अपने सीने पर आगे टांगें कर बिठाया और भाभी के मनमोहक चूतड़ों को चाटने लगा, भाभी को नीचे को झुकाकर उनके मम्मों को दबाने लगा।
वो इस दौरान पहली बार अति उत्तेजना के कारण झड़ गईं।

मैंने उनके बहुत कहने पर भी चूत को चाटना नहीं छोड़ा। वो गर्म साँसों के साथ 'आह.. उम्म्ह… अहह… हय… याह… आह जयंत.. प्लीज जयंत उउह.. उह..' करने लगीं।
फिर एकदम से भाभी की चूत ने रस छोड़ दिया और अगले ही पल भाभी ने मेरे लंड पर नागिन की तरह झपटते हुए लंड को डस लिया।

अब वो मेरे लंड को अच्छे से खड़ा करने लगीं। लंड के पूरा खड़ा होते ही मुझे इशारा किया कि प्लीज मेरी चूत को फाड़ डालो प्लीज!

मैंने हामी भरी और उनकी गांड सोफे के ऊपर पूरी तरह धकेल कर टांगें उठाकर चूत को अच्छे से देखा। भाभी की चूत सांवली थी.. पर बड़ी मादक थी।

मैंने उनकी चूत में अपना लंड सैट किया और उनके इशारा मिलते ही लंड को घुसा दिया। उन्हें तो यकीन ही नहीं हुआ कि अचानक ये क्या हुआ.. अनायास ही उनके मुँह से एक तेज 'आह.. औह.. औ.. प्लीज प्लीज.. जयंत क्या कर दिया..'

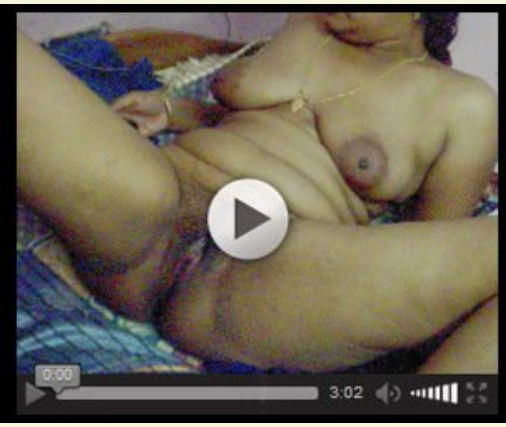

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभी की आँखों की पुतलियां फ़ैल गई थीं।

मैं थोड़ा ठहर गया और फिर धीरे-धीरे चार-पांच धक्के लगातार ठोक दिए। भाभी मस्त हो कर चुदने लगीं.. कुछ ही धक्कों में मुझे लगा कि मैं झड़ जाऊँगा।
मैंने देखा कि भाभी भी रस छोड़ने पर आ चुकी थीं, मैंने इशारे से पूछा तो उन्होंने सर हिला दिया।

मैं समझ गया.. चूंकि ये मेरी पहली चुदाई थी तो उन्होंने मुझे चूत के अन्दर ही लंड की पिचकारी छोड़ने को कह दिया।

अब मैंने अपने धक्के तेज किए और लंड की गर्म मलाई चूत में डाल दी। भाभी बेसुध हो कर आँखें मूंद कर वीर्य की गर्मी से चूत को तृप्त करने लगीं।

इसके कुछ पल बाद तक मैंने उनकी चूत में लंड को घुसाए रखा। फिर वो संभलीं और मेरी तरफ शुक्रगुजार भरी नजरों से देखने लगीं।
मैंने कहा- भाभी ये तो ट्रेलर है.. फिल्म पूरी बाकी है।

मैंने बगैर वक्त गंवाए.. फिर से भाभी के होंठों पर अपने होंठों को लगा दिया। मैंने भाभी के बोबे दबाना चूसना जारी रखते हुए उनकी चूत में उंगली करना भी चालू कर दिया।

अब भाभी फिर से गर्म हो गईं और मैं फिर से भाभी की चूत पर लंड टिकाकर खड़ा हो गया। इस बार चुदाई में जैसे लंड अन्दर-बाहर जाता.. वो सिसकारियां भरने लगतीं ‘यस.. फक.. मी फक मी.. हार्ड..’

भाभी इस बार लम्बी चलीं और चुदाई के बाद मैं अपने कमरे में आ गया।

इसके बाद मुझे भाभी ने बहुत सारी अतृप्त चूतों से मुलाक़ात करवा दी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस तरह कोटा की इस स्टूडेंट लाइफ में मैं जिगोलो की लाईफ भी जीना सीख गया। मैंने अपना धंधा बहुत ज्यादा उम्र की आंटी या कुंवारी लड़की तक फैला दिया था। जो भी बिना पहचान बताए सिर्फ चुदाई की सोचती थी.. मैं उनकी ख्वाहिशें पूरी करने लगा।

मेरा काफी बड़ा फ्रेंड सर्किल हो गया। मेरे पास लड़कियों भाभियों के मेल आने पर मैं उनको चुदाई का सुख देकर उनकी कामनाओं को पूर्ण करके दिखाता हूँ।
आज मैंने अपनी पहली चुदाई का किस्सा ब्यान किया है। मैंने अपनी इस लाइफ में अच्छे घरों की स्टैंडर्ड लड़कियों और अमीर औरतों की ख्वाहिशें पूरी की हैं।

मैं बहुत खुश हूँ कि कोटा ने मुझे डाक्टर नहीं.. तो एक बड़ा रोजगार और बड़े दिल का इंसान बना दिया है।

प्लीज़ मेल कर मुझसे अपने दिलों की बातें शेयर करें। राजस्थान देहली गुजरात में अपना आना-जाना रहता है। मिलना.. दोस्ती करना और अच्छा दोस्त बनाना मेरी फितरत है।
jayantadani@gmail.com

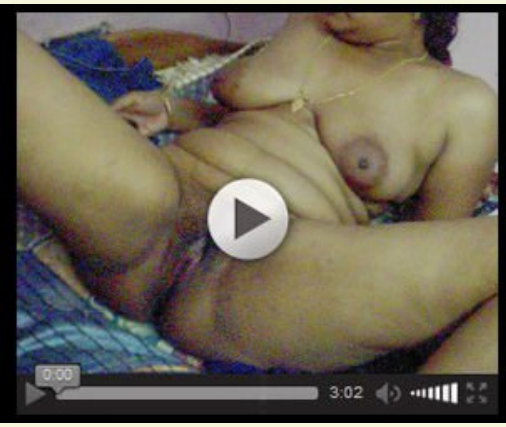

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

सच्चे प्यार में है सेक्स का असली मजा

दोस्तो, मैंने बहुत दिल से ये सेक्स स्टोरी लिखी है, मुझे उम्मीद है कि आप सभी को मेरी पहली कहानी पसंद आएगी। मैं इंदौर से हूँ.. मेरा उपनाम लकी है। अन्तर्वासना पर कई लोगों की कहानियां पढ़ कर मुझे भी […]
Full Story >>>

बॉस की बीवी की चूत की चुदाई की कहानी

मेरा नाम जय है, मैं नागपुर का रहने वाला हूँ। मेरे लंड का आकार 7 इन्च का है। मैं सांवला और शरीर से हष्ट-पुष्ट और हैंडसम हूँ। मैं नागपुर में एक अकाउंट ऑफिस में काम करता हूँ, मेरे बॉस का […]
Full Story >>>

चाची की चूत की चुदाई की कहानी करवा चौथ पर

यह चाची की चूत की चुदाई की कहानी मेरी पहली सेक्स स्टोरी है, कोई गलती लगे, तो माफ कीजिएगा। मेरा नाम रवि शर्मा है.. मैं वाराणसी में रहता हूँ, मेरी उम्र 20 साल की है। मेरी चाची की उम्र 26 […]
Full Story >>>

लेस्बीयन सहेलियों ने पहली बार लंड के साथ मजा लिया

मेरे प्यारे दोस्तो, आप सभी के सामने एक बार फिर से हाजिर है आपकी प्यारी श्रद्धा ! आप सभी को प्यार भरा नमस्कार और आपका बहुत-बहुत आभार कि आप सभी ने मेरी कहानियों को बहुत सारा प्यार दिया, ऐसे ही प्यार […]
Full Story >>>

मामी ने नंगा बदन दिखा कर चूत की चुदाई के लिए उकसाया

मेरा नाम रोहित है.. मैं जोधपुर राजस्थान से हूँ। मुझे अन्तर्वासना की चुदाई की कहानी पढ़ने का बड़ा शौक है और मैं इसका एक नियमित पाठक हूँ। आज मैं भी आपके साथ अपनी एक सच्ची सेक्स स्टोरी शेयर करना चाहता […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire